जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

30 जनवरी, 2025

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कुलपति ने "कोंकणदारी: भारत की एक स्वर्ण यात्रा" प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के एम.एफ. हुसैन आर्ट गैलरी में आज "कोंकणदारी: भारत की एक स्वर्ण यात्रा" नामक प्रदर्शनी शुरू हुई। जामिया मिल्लिया इस्लामिया के ललित कला संकाय के अनुप्रयुक्त कला विभाग द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम 29 जनवरी से 7 फरवरी, 2025 तक चलेगा। यह कर्नाटक और गोवा के आश्चर्यजनक परिदृश्यों तहा समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की गहन खोज प्रस्तुत करता है। प्रदर्शनी में कलाकृति, फोटोग्राफी एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की एक आकर्षक श्रृंखला के माध्यम से इन क्षेत्रों का सार प्रदर्शित किया गया है।

सम्मानित कुलपति, प्रो. मज़हर आसिफ ने प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए छात्रों को बधाई दी और यह कहा कि "यह प्रदर्शनी निस्संदेह छात्रों के लिए नए रास्ते खोलेगी, जो वर्तमान और भावी दोनों पीढ़ियों के कलाकारों को प्रेरित करेगी। यह छात्रों को गैलरी में अपनी तस्वीरें और रचनात्मक कलाकृति प्रदर्शित करने के साथ-साथ कार्यक्रम के दौरान विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने का एक असाधारण अवसर प्रदान करता है।" कुलसचिव प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिजवी ने एक संदेश भेजा जिसमें उन्होंने छात्रों को उनके उल्लेखनीय प्रयासों और कड़ी मेहनत के लिए बधाई दी और उम्मीद जताई कि प्रदर्शनी नए रास्ते तलाशेगी जो युवा कलाकारों और छात्रों को प्रेरित करती रहेगी। ललित कला संकाय की डीन, प्रो. बिंदुलिका शर्मा भी इस अवसर पर उपस्थिति रहीं ।

अनुप्रयुक्त कला विभाग के बीएफए अनुप्रयुक्त कला के अंतिम वर्ष के 30 छात्रों द्वारा क्यूरेट की गई प्रदर्शनी रचनात्मकता और समर्पण की एक असाधारण श्रृंखला को प्रदर्शित करती है, जहां प्रत्येक अंश इस परिवर्तनकारी यात्रा के दौरान एकत्र की गई भावनाओं, कहानियों और प्रेरणा का प्रमाण है। यह प्रदर्शनी एक कलात्मक प्रदर्शन से कहीं अधिक है; यह विरासत, परंपरा एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति की एक प्रेरक यात्रा है। कोंकणदारी नाम इस यात्रा की भावना को खूबसूरती से दर्शाता है: "कोंकण" सुंदर समुद्र तट का प्रतीक है, जबकि "अदारी" इस क्षेत्र को छूने वाले ऊंचे पहाड़ों का प्रतिनिधित्व करता है। साथ मिलकर, वे परंपरा और कलात्मकता की एक सुनहरी यात्रा सृजित करते हैं।

छात्रों ने प्रदर्शनी में प्रदर्शित अपनी कलात्मक रचनाओं, फोटोग्राफी और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से बादामी, पट्टाडकल और ऐहोल, हम्पी, कारवार शहर और कारवार समुद्र तट , द्वीप और पुराना लाइटहाउस, मागोद झरने, होन्नावर बैकवाटर, मिरजान किला, गोकर्ण और ओम समुद्र तट , पुराने गोवा चर्च, कोलवा समुद्र तट और अगुआड़ा किले जैसे विभिन्न स्थानों को कुशलता से चित्रित किया है।

यह प्रदर्शनी दर्शकों को रचनात्मकता एवं विरासत के सुनहरे रास्ते का अनुभव करने के लिए आमंत्रित करती है, जहाँ समुद्र तट पहाड़ों से मिलते हैं और परंपरा कल्पना से मिलती है। यह पुरानी यादों, गर्व एवं भारत की विविध संस्कृति की असीम सुंदरता का उत्सव है।

प्रदर्शनी और छात्र भागीदारी के बारे में किसी भी प्रश्न हेतु कृपया अनुप्रयुक्त कला विभाग के अध्यक्ष श्री हफीज अहमद से संपर्क करें (संपर्क: 9811333995)।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया